Amar Ujala 19-2-26

मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में तेजी से जगह बना रहा एआई

चंडीगढ़। सेक्टर-32 के एसडी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग की ओर से थेरेपिस्ट के रूप में एआई का उपयोग विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का संचालन श्रिया मिगलानी ने किया।

उन्होंने बताया कि आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में तेजी से अपनी जगह बना रहा है। कॉलेज विद्यार्थियों के बीच एक सहायक उपकरण के रूप में उभर रहा है। एआई की भूमिका सुलभ मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करने में तेजी से बढ़ रही है, लेकिन इसके साथ जुड़े नैतिक पहलुओं पर ध्यान देना भी आवश्यक है। संवाद

Arth Parkash 19-2-26

छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य सहयोग में एआई की बढ़ती भूमिका पर सेमिनार आयोजित

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग की ओर से मंगलवार को ÷कॉलेज छात्रों में थेरेपिस्ट के रूप में एआई का उपयोग÷ विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया।

इस सेमिनार का संचालन मोहाली के मैक्स हॉस्पिटल की काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट श्रिया मिगलानी द्वारा किया गया। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआईढ्ढ) मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में तेजी से अपनी जगह बना रहा है और विशेष रूप से कॉलेज छात्रों के बीच एक सहायक उपकरण के रूप में उभर रहा है।

सेमिनार के दौरान यह भी चर्चा की गई कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भूमिका कॉलेज छात्रों को सुलभ मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करने में तेजी से बढ़ रही है। मिगलानी ने बताया कि एआई आधारित प्लेटफॉर्म छात्रों तक समय पर सहायता पहुंचाने में उपयोगी साबित हो रहे हैं, लेकिन इसके साथ जुड़े नैतिक पहलुओं पर ध्यान देना भी आवश्यक है। सत्र में थेरेपी और मनोचिकित्सा में मानवीय संवेदनशीलता और सहानुभूति के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। यह बताया गया कि एआई आधारित उपकरण अब मनोचिकित्सकीय प्रक्रियाओं में सहायक माध्यम के रूप में शामिल किए जा रहे हैं, जिससे प्रारंभिक मार्गदर्शन और समर्थन उपलब्ध हो सके।

हालांकि, यह स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया कि एआई किसी भी स्थिति में क्लाइंट और थेरेपिस्ट के बीच बनने वाले विश्वासपूर्ण और मानवीय संबंध का स्थान नहीं ले सकता। इसलिए, एआई को एक सहयोगी साधन के रूप में अपनाना चाहिए, न कि मानव थेरेपिस्ट के विकल्प के रूप में। सेमिनार में लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया और एआई के मनोवैज्ञानिक देखभाल में उपयोग, उसकी सीमाओं तथा भविष्य में संभावित प्रभावों पर सक्रिय रूप से चर्चा की। छात्रों ने एआई के लाभ, चुनौतियों और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में इसकी भूमिका को लेकर अपने विचार साझा किए।

Dainik Savera Times 18-2-26

छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य सहयोग में एआई की बढ़ती भूमिका पर सेमिनार आयोजित

सैमिनार में हिस्सा लेते छात्र।

सवेरा न्यूज/नीना चंडीगढ़ : जीजीडीएसडी कॉलेज सैक्टर 32 के मनोविज्ञान विभाग की ओर से मंगलवार को कॉलेज छात्रों में थेरेपिस्ट के रूप में एआई का उपयोग विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का संचालन मोहाली के मैक्स हॉस्पिटल की काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट श्रेया मिगलानी द्वारा किया गया। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में तेजी से अपनी जगह बना रहा है और विशेष रूप से कॉलेज छात्रों के बीच एक सहायक उपकरण के रूप में उभर रहा है। मिगलानी ने बताया कि एआई आधारित प्लेटफॉर्म छात्रों तक समय पर सहायता पहुंचाने में उपयोगी साबित हो रहे हैं, लेकिन इसके साथ जुड़े नैतिक पहलुओं पर ध्यान देना भी आवश्यक है। प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने सेमिनार की सफलता सुनिश्चित करने में कन्वीनर डॉ. तरनदीप कौर तथा आयोजन सचिव डॉ. जतिंदर कौर और डॉ. राहुल सिंह के प्रयासों की सराहना की।

Divya Himachal 19-2-26

एसडी कालेज के छात्रों ने जानी एआई तकनीक

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग की ओर से मंगलवार को कॉलेज छात्रों में थेरेपिस्ट के रूप में एआई का उपयोग विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का संचालन मोहाली के मैक्स हॉस्पिटल की काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट श्रिया मिगलानी द्वारा किया गया। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में तेजी से अपनी जगह बना रहा है और विशेष रूप से कॉलेज छात्रों के बीच एक सहायक उपकरण के रूप में उभर रहा है। सेमिनार के दौरान यह भी चर्चा की गई कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई की भूमिका कॉलेज छात्रों को सुलभ मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करने में तेजी से बढ़ रही है। मिगलानी ने बताया कि एआई आधारित प्लेटफॉर्म छात्रों तक समय पर सहायता पहुंचाने में उपयोगी साबित हो रहे हैं, लेकिन इसके साथ जुड़े नैतिक पहलुओं पर ध्यान देना भी आवश्यक है। सत्र में थेरेपी और मनोचिकित्सा में मानवीय संवेदनशीलता और सहानुभूति के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। यह बताया गया कि एआई आधारित उपकरण अब मनोचिकित्सकीय प्रक्रियाओं में सहायक माध्यम के रूप में शामिल किए जा रहे हैं, जिससे प्रारंभिक मार्गदर्शन और समर्थन उपलब्ध हो सके। हालांकि, यह स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया कि एआई किसी भी स्थिति में क्लाइंट और थेरेपिस्ट के बीच बनने वाले विश्वासपूर्ण और मानवीय संबंध का स्थान नहीं ले सकता। इसलिएए एआई को एक सहयोगी साधन के रूप में अपनाना चाहिएए न कि मानव थेरेपिस्ट के विकल्प के रूप में है।

Punjab Kesari

ए.आई. की बढ़ती भूमिका पर हुआ सैमिनार

चंडीगढ़, 18 फरवरी (आशीष): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग की ओर से कॉलेज छात्रों में थैरेपिस्ट के रूप में एआई का उपयोग विषय पर सैमिनार का आयोजन किया गया। सैमिनार के दौरान यह भी चर्चा की गई कि आर्टिफिशियल इंटेलिजैंस की भूमिका कॉलेज छात्रों को सुलभ मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करने में तेजी से बढ़ रही है। प्रिंसीपल डॉ. अजय शर्मा ने सैमिनार की सफलता सुनिश्चित करने में कन्वीनर डॉ. तरनदीप कौर तथा आयोजन सचिव डॉ. जतिंदर कौर और डॉ. राहुल सिंह के प्रयासों की सराहना की।